

सिद्ध-जल पुं. (तत्.) 1. औटाया हुआ पानी 2. काँजी।

सिद्धता स्त्री. (तत्.) सिद्ध होने की अवस्था या भाव, सिद्धि। 2. पूर्णता।

सिद्धत्व पुं. (तत्.) सिद्धता।

सिद्धदेव पुं. (तत्.) शिव, महादेव।

सिद्धदोष वि. (तत्.) जिसका अपराध सिद्ध/प्रमाणित हो गया हो।

सिद्ध धातु पुं. (तत्.) पारा, पारद।

सिद्धनाथ पुं. (तत्.) सिद्धेश्वर, महादेव।

सिद्धनेत्र पुं. (तत्.) 1. वह स्थान जहाँ योग या तंत्र प्रयोग जल्दी सिद्ध हो 2. दंडक वन में एक विशिष्ट क्षेत्र का नाम।

सिद्ध पक्ष पुं. (तत्.) किसी तर्क का वह अंश जो सिद्ध हो चुका हो और इसीलिए मान्य हो।

सिद्धपथ पुं. (तत्.) अंतरिक्ष।

सिद्धपीठ/सिद्धभूमि पुं. (तत्.) 1. वह स्थान जहाँ योग या आध्यात्मिक अथवा तांत्रिक साधन सहज में संपन्न होता है 2. कोई ऐसा स्थान जहाँ पहुँचने पर कोई कामना या कार्य प्रायः सहज में सिद्ध होता है।

सिद्धपुर पुं. (तत्.) एक कल्पित नगर जो किसी के मत से पृथ्वी के उत्तरी छोर पर और किसी के मत से पाताल में है। ज्योतिष।

सिद्धपुष्प पुं. (तत्.) करबीर, कनेर।

सिद्धमत पुं. (तत्.) 1. सिद्धों द्वारा स्थापित मत या प्रचारित मत 2. नाथ-संप्रदाय का सिद्धांत।

सिद्ध-मातृका स्त्री. (तत्.) 1. एक देवी 2. प्राचीन भारत की एक लिपि।

सिद्ध-यामल पुं. (तत्.) तंत्र शास्त्र का एक प्रसिद्ध ग्रंथ।

सिद्ध योग पुं. (तत्.) ज्योतिष में, एक प्रकार का योग जो सर्वकार्य सिद्ध करने वाला माना गया है।

सिद्ध योगी पुं. (तत्.) शिव, महादेव।

सिद्धर पुं. (तत्.) एक ब्राह्मण जो कंस की आज्ञा से कृष्ण को मारने आया था।

सिद्ध-रस पुं. (तत्.) 1. पारा, पारद 2. वह योगी जिसने पारा सिद्ध कर लिया अर्थात् रसायन बना लिया हो।

सिद्ध-रसायन पुं. (तत्.) वह रसौषध जिसके सेवन से दीर्घ जीवन और यथेष्ट शक्ति प्राप्त होती है।

सिद्धवस्ति पुं. (तत्.) आयु. तैल आदि की वस्ति या पिचाकरी।

सिद्ध-विद्या स्त्री. (तत्.) एक महाविद्या।

सिद्ध-विनायक पुं. (तत्.) गणेश की एक मूर्ति।

सिद्ध-शिला स्त्री. (तत्.) उर्ध्व लोक का एक स्थान (जैन)।

सिद्ध-संकल्प वि. (तत्.) जिसका संकल्प पूरा हो चुका हो।

सिद्ध-संप्रदाय पुं. (तत्.) 1. सिद्धों का संप्रदाय 2. शैव नाथ-योगी का संप्रदाय, नाथ संप्रदाय 3. बौद्ध वज्रयानी सिद्धों का संप्रदाय।

सिद्ध-सरित स्त्री. (तत्.) 1. आकाश गंगा 2. गंगा।

सिद्ध-सलिल पुं. (तत्.) 1. काँजी 2. सिद्ध जल।

सिद्ध-साधक पुं. (तत्.) 1. शिव 2. कल्प-वृक्ष जो सब प्रकार के मनोरथ सिद्ध करने वाला माना गया है 3. ऐसे दो व्यक्ति जिनसे से एक तो झूठ-मूठ सिद्ध या सत्पुरुष बना बैठा हो और दूसरा सबको उसकी सिद्धता का विश्वास दिलाकर उसके फंदे में फँसाता हो।

सिद्ध-साधन पुं. (तत्.) 1. सिद्धि प्राप्त करने के लिए योग या तंत्र की क्रिया करना 2. जो बात सिद्ध या प्रमाणित हो चुकी हो, उसे फिर से सिद्ध या प्रमाणित करना 3. सफेद सरसो।

सिद्ध-साधित वि. (तत्.) जिसने किसी कला, विद्या या शास्त्र का ठीक तरह से अध्ययन किए बिना ही केवल प्रयोग या व्यवहार के